बौद्धिक दिव्यांग व्यस्को के लिए सपोर्टेड इंडिपेंडेंस लिविंग पर एक ऑनलाइन वर्कशॉप का आयोजन

राजकीय बौद्धिक दिव्यांगजन पुनर्वास संस्थान (जी आर आई आई डी), सेक्टर 31, चंडीगढ़ के द्वारा आज बौद्धिक दिव्यांग व्यस्को के लिए सपोर्टेड इंडिपेंडेंस लिविंग पर एक ऑनलाइन वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य इस संस्थान के शैक्षिक कर्मियों को बौद्धिक दिव्यांग व्यस्को के लिए विदेशों में प्रदान की जा रही विभिन्न सेवाओं के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी देना था।

इस कार्यशाला में सीसीएस डिसेबिलिटी एक्शन, युवा और व्यस्क टीम विभाग, ऑकलैंड, न्यूजीलैंड के वरीय समन्वयक श्री जितेंद्र सिंह और सेवा प्रबंधक श्री डेनियल मशीज रिसोर्स पर्सन थे।

श्री जतिंदर ने बौद्धिक दिव्यांग वयस्कों के आत्मनिर्भरता में सहायता के लिए न्यूजीलैंड के सरकार के द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता के बारे में बताया और उन्होंने समुदाय आधारित पुनर्वास पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बौद्धिक दिव्यांग व्यस्कों को भी पसंद का अधिकार होना चाहिए। अर्थात, वे क्या पहनना चाहते हैं, क्या पढ़ना चाहते हैं और किसके साथ काम करना चाहते हैं इत्यादि का निर्णय लेने का इन्हें भी हक है और हमारा लक्ष्य इनके जीवन को गुणवत्तापूर्ण बनाना है।

श्री डेनियल ने बताया कि बौद्धिक दिव्यांग व्यस्को के लिए एक व्यक्तिगत सहायता योजना में लक्ष्य, समय सीमा, लक्ष्यों की समीक्षा करना और उन्हें समय-समय पर अद्यतन करना, उनकी पसंद नापसंद क्षमता इत्यादि शामिल है, जोकि एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करता है। उन्होंने कहा कि समर्थित आत्मनिर्भर जीवन सेवाएं एक दिन या एक व्यक्ति का काम नहीं है। यह सहयोगी टीम वर्क के माध्यम से कार्य किया जा सकता है।

इस संस्थान के संयुक्त निदेशक डॉ प्रीति अरुण ने इस कार्यशाला के संचालन की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला और आयोजन टीम को बधाई दी। कार्यक्रम के अंत में अनुसंधान सहायक वंदना सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किए। इस कार्यक्रम में संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी श्री जसपाल शर्मा भी उपस्थित थे। श्री रविंद्र सिंह, सुश्री शगुन, सुश्री अल्पना और सुश्री कमलजीत इस कार्यशाला के समन्वयक थे।

कार्यशाला में संस्थान के संयुक्त निदेशक डॉ. प्रीति अरुण, श्री जसपाल शर्मा, सुश्री वंदना एवं अन्य टीचिंग स्टाफ।

डिसएबल्ड के पास पसंद का अधिकार हो: जतिंदर

चंडीगढ़| इंटलेक्चुअल डिसएबिलिटी वाले एडल्ट्स के लिए सपोर्टेड इंडिपेंडेंट लिविंग पर ग्रिड में एक वर्कशॉप आयोजित की गई जिसमें इंटरनेशनल फैकल्टी को बुलाया गया। वर्कशॉप का मकसद विदेशों में डिसएबल्ड व्यक्तियों को दी जा रही विभिन्न सेवाओं के बारे में ग्रिड के टीचर्स को फर्स्ट हैंड जानकारी देना था। डिपार्टमेंट ऑफ यूथ एंड एडल्ट टीम, सीसीएस डिसेबिलिटी एक्शन ऐट ऑकलैंड के को-ऑर्डिनेटर जतिंदर सिंह और यहीं पर सर्विस मैनेजर डेनियल मसीज को इसपर बोलने के लिए बुलाया गया था। जतिंदर ने कहा कि डिसएबल्ड के पास पसंद का अधिकार होना चाहिए जिसका मतलब है कि वे पहनना चाहते हैं, क्या पढ़ना चाहते हैं आदि।

News Appeared in Dainik Bhaskar

न्यूजीलैंड में बौद्धिक दिव्यांग व्यस्को के लिए संचालित विभिन्न कार्यक्रमों से रूबरू हुए विशेष शिक्षक

दिव्यांग जगत @ चंडीगढ़

राजकीय बौद्धिक दिव्यांगजन पुनर्वास संस्थान (जी आर आई आई डी), सेक्टर 31, चंडीगढ़ के द्वारा आज बौद्धिक दिव्यांग व्यस्को के लिए सपोर्टेड इंडिपेंडेंस लिविंग पर एक ऑनलाइन वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य इस संस्थान के शैक्षिक कर्मियों को बौद्धिक दिव्यांग व्यस्को के लिए विदेशों में प्रदान की जा रही विभिन्न सेवाओं के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी देना था।

इस कार्यशाला में सीसीएस डिसेबिलिटी एक्शन, युवा और व्यस्क टीम विभाग, ऑकलैंड, न्यूजीलैंड के वरीय समन्वयक श्री जितेंद्र सिंह और सेवा प्रबंधक श्री डेनियल मशीज रिसोर्स पर्सन थे।

श्री जतिंदर ने बौद्धिक दिव्यांग वयस्कों के आत्मनिर्भरता में सहायता के लिए न्यूजीलैंड के सरकार के द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता के बारे में बताया और उन्होंने समुदाय आधारित पुनर्वास पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बौद्धिक दिव्यांग व्यस्कों

को भी पसंद का अधिकार होना चाहिए। अर्थात, वे क्या पहनना चाहते हैं, क्या पढ़ना चाहते हैं और किसके साथ काम करना चाहते हैं इत्यादि का निर्णय लेने का इन्हें भी हक है और हमारा लक्ष्य इनके जीवन को गुणवत्तापूर्ण बनाना है।

श्री डेनियल ने बताया कि बौद्धिक दिव्यांग व्यस्को के लिए एक व्यक्तिगत सहायता योजना में लक्ष्य, समय सीमा, लक्ष्यों की समीक्षा करना और उन्हें समय-समय पर अद्यतन करना, उनकी पसंद नापसंद क्षमता इत्यादि शामिल है, जोकि एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करता है। उन्होंने कहा कि समर्थित आत्मनिर्भर जीवन सेवाएं एक दिन या एक व्यक्ति का काम नहीं है। यह सहयोगी टीम वर्क के माध्यम से कार्य किया जा सकता है।

इस संस्थान के संयुक्त निदेशक डॉ प्रीति अरुण ने इस कार्यशाला के संचालन की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला और आयोजन टीम को बधाई दी। कार्यक्रम के अंत में अनुसंधान सहायक वंदना सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किए।

इस कार्यक्रम में संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी डॉ जसपाल शर्मा भी उपस्थित थे। श्री रविंद्र सिंह, सुश्री शगुन, सुश्री अल्पना और सुश्री कमलजीत इस कार्यशाला के समन्वयक थे।

News Appeared in Divyang Jagat